

फिप्रोनिल 2.92% भार/भार ईसी

(कीटनाशक)

फिप्रोनिल 2.92% भार/भार इमल्सिफायेबल कॉन्सन्ट्रेट (ईसी) का प्रयोग इमारतों में दीमक की रोकथाम के लिए इमारत के निर्माण से पहले और बाद में किया जाता है।

उपयोग

उपयोग के लिए निर्देश

फिप्रोनिल 2.92% भार भार ईसी का प्रयोग 0.25% सक्रिय तत्व अथवा 100 मि.ली. उत्पाद संरचना को 1 लाटर पानी में घोलकर इमारत निर्माण के दौरान अथवा बाद में दीमकों की रोकथाम के लिए करना चाहिए। उपचार, आइ.एस. 6313 (भाग 2) : 2001 निर्माण से पूर्व रसायनिक उपचार और आइ.एस. 6313 (भाग 3) : 2001 पूर्व निर्मित भवनों का उपचार, पर आधारित होना चाहिए।

निर्माण से पहले :

रसायन घोल का निर्धारित मात्र में समान रूप से उपचार की सभी अवस्थाओं में प्रयोग करना चाहिए। हाथ से चलने वाले स्प्रेयर अथवा फव्वारे द्वारा रसायन के घोल का छिड़काव करना चाहिए।

चिनाई वाली नींव का उपचार :

1. नींव के गड्ढों की निचली सतह और किनारे की दीवारों पर 30 सेमी की ऊँचाई तक 5 ली. प्रति वर्ग मीटर की दर से छिड़काव करें।
2. नींव के ढाँचे के सम्पर्क में भराई की गई जमीन पर 7.5 ली. प्रति वर्ग मीटर की दर से दोनों तरफ छिड़काव करें।
3. आर.सी.सी. नींव का उपचार : जमीनी सतह के 50 सेमी. नीचे तक 7.5 ली. प्रति वर्ग मीटर की दर से छिड़काव करें।
4. प्लिन्थ की ऊपरी सतह का उपचार : प्लिन्थ की ऊपरी सतह की मिट्टी का फर्श बिछाने से पहले रसायन के घोल द्वारा 5 ली. प्रति वर्ग मीटर सतह की दर से उपचार करें।
5. इमारत के चारों तरफ बाहर की मिट्टी का उपचार : इमारत के चारों तरफ बाहरी दीवार के सम्पर्क में आने वाली मिट्टी को 15 सेमी की दूरी पर 30 सेमी की गहराई तक खो दें जिससे कि बुनियाद की दीवार दिखाई दे। दवाई के घोल को दीवार के साथ-साथ 7.5 ली. प्रति वर्ग मीटर की दर से डालें।
6. इमारत के चारों तरफ के पट्टे के नीचे की मिट्टी का उपचार : पट्टा बिछाने से पहले मिट्टी की ऊपरी सतह पर दवाई का 5 ली. प्रति वर्ग मीटर की दर से छिड़काव करें।

इमारत निर्माण के बाद :

1. इमारत के चारों तरफ बाहर की मिट्टी का उपचार : इमारत के चारों तरफ बाहरी दीवार के सम्पर्क में आने वाली मिट्टी को 15 सेमी की दूरी पर 30 सेमी की गहराई तक खो दें जिससे कि बुनियाद की दीवार दिखाई दे। दवाई के घोल को दीवार के साथ-साथ 7.5 ली. प्रति वर्ग मीटर की दर से डालें।
2. इमारत के चारों तरफ के पट्टे के नीचे की मिट्टी का उपचार : पट्टा बिछाने से पहले मिट्टी की ऊपरी सतह पर दवाई का 5 ली. प्रति वर्ग मीटर की दर से छिड़काव करें।
3. फर्श के नीचे की मिट्टी का उपचार : फर्श में पड़ी दरारों से दीमक की रोकथाम के लिए फर्श के नीचे की मिट्टी का उपचार करना चाहिए। फर्श और दीवार के जोड़ पर 12 मिमी. गोलाई के और 30 सेमी. गहरे छेद करें ताकि दवा मिट्टी तक पहुँच सके। दवा के घोल को 1 लीटर प्रति छेद की दर से डालें और छेद को बन्द करें।
4. चीनाई करी दीवारों में रिक्त स्थानों का उपचार : चीनाई की गई दीवारों के द्वारा दीमक के फैलाव को रोकने के लिए प्लिन्थ दीवार के दोनों तरफ 30 सेमी. के अन्तराल पर 45 के कोन पर छेद करें और दवाई के घोल को पूरी तरह भरकर छेद को बन्द कर दें।
5. ऊपर की मंजिलों का उपचार : यदि दीमक का फैलाव ऊपर की मंजिलों पर है तो जमिनी तल का ऊपर बताये गये तरीके से उपचार करें।

यंत्र - हाथ से चलने वाले नैपसैक स्प्रेयर या फुट स्प्रेयर का उपयोग करें।

प्रयोगकर्ताओं के लिए सावधानियां

छिड़काव करते समय खानपान और धुम्रपान न करें। दवा का त्वचा से सम्पर्क न होने दे तथा श्वास में जाने से रोकें। खाद्य पदार्थ तथा बर्तनों पर छिड़काव न करें। छिड़काव करने के तुरन्त बाद हाथ तथा शरीर के खुले अवयव पूरी तरह धोएँ।

विष के लक्षण

Caution: "Not to Be Used on Crops Other Than Specified on This Label/Leaflet".

मुख्यतः चिड़चिड़ापन, उदासी, मांस पेशियों में ऐठन, अत्याधिक प्रकोप की अवस्था में दौर की संभावनाएँ हो सकती हैं। फिप्रोनिल गाबा रिसेप्टर अवरोधक है एवं कीटनाशक से संबंध हटाते ही उपरोक्त लक्षण समाप्त हो जाते हैं।

प्राथमिक चिकित्सा

कीटनाशक श्वासद्वारा अंदर गई हो तो मरीज़ को तुरन्त खुली हवा में ले जाइए। श्वास रुकने लगी हो तो कृत्रिम श्वासोच्छ्वास का इस्तेमाल करें। कीटनाशक पेट में निगल गया हो तो रोगी को गले के अंदर उँगली डालकर उल्टी करवाएँ। कीटनाशक आँखों में जानेपर, आँखें ठण्डे पानी से धोएं। कीटनाशक का त्वचा के साथ सम्पर्क होने पर, त्वचा भरपूर पानी और साबुन से धो लें। तुरन्त डॉक्टरों को इलाज करें।

विष नाशक

लक्षणों के अनुसार उपचार करें क्योंकि कोई विशिष्ट विषनिवारक ज्ञात नहीं है।

खाली डिब्बों का निपटारा

खाली डिब्बों को मोड़-तोड़कर बस्ती से और पानी के स्रोत से दूर सुरक्षित स्थान जमीन में गाड़ दें। इस्तेमाल किए हुए डिब्बों का विनाश इस प्रकार करे ताकि पानी तथा वातावरण प्रदूषित न हो। खाली डिब्बों का गलत या दुबारा इस्तेमाल टालने के लिए उन्हें बाहर न रखें।

संग्रहण की शर्तें

यह कीटनाशक वस्तुमान के अनुसार मूल डिब्बे में किसी अलगही कमरे में या अलमारी में, बच्चों की पहुँच से दूर तथा पालतू पशुओं, खाने-पीने की चीजों, पशुखाद्य और अन्य पदार्थों से दूर रखें। भण्डारण करने की जगह अच्छी तरह बंधी हुई, रोशनीदार, हवादार तथा सुयोग आकारमान की होनी चाहिए।

रासायनिक संरचना :

फिप्रोनिल	(सक्रिय तत्व)	2.92 % भार/भार
ट्रायब्युटाईल फॉस्फेट	(डी-फोमिंग एजेंट)	11.68 % भार/भार
इथॉक्सिलेट अल्किल-अराईल फॉस्फेट ईस्टर	(इमल्सिफायर)	10.51 % भार/भार
कैल्शियम अल्किल-अराईल सल्फोनेट	(इमल्सिफायर)	01.17 % भार/भार
केरोसिन (डी-एरोमेटाईज्ड)	(सोल्वेंट)	पर्याप्त मात्रा %
		योग : १००.००० % भार/भार

निर्माता

अंग्रेजी में लिखे गये अनुसार

उत्पादन परिसर:

अंग्रेजी में लिखे गये अनुसार

Caution: "Not to Be Used on Crops Other Than Specified on This Label/Leaflet".

Fipronil 2.92% w/w EC

(Insecticide)

Fipronil 2.92% w/w Emulsifiable Concentrate (EC) is recommended for the control of termites in buildings through pre & post construction treatments.

Recommendation

Direction of Use

Fipronil 2.92% w/w EC (Agenda? 25 EC) shall be applied at 0.25% a.i. concentration i.e. 100 ml formulated product diluted in 1 litre of water for the control of termites in buildings during pre and post construction. Treatment should be as per IS 6313 (Part-2) : 2001 i.e. Pre-constructional chemical treatment measures and IS 6313 (Part-3) : 2001 i.e. treatment for existing building as follows.

Pre-Construction:

The chemical emulsion shall be applied uniformly at the prescribed rate in all the stages of treatment. Hand operated sprayer or watering can should be used for application of chemical emulsion.

Treatment of Masonry Foundations:

1. Bottom surface and sides of foundation pits upto a height of 30 cm should be treated @ 5 ltr. chemical emulsion per sq. mtr of surface area.
2. Back fill earth in immediate contact with the foundation structure should be treated @ 7.5 ltr per sq. mtr. of the vertical surface, of the substructure for each side.
3. Treatment of RCC Foundations: Treatment should start at a depth of 50 cm below ground level @ 7.5 ltr. per sq. mtr.
4. Treatment of Top surface of plinth filling: The top surface of the consolidated earth within plinth walls shall be treated with chemical emulsion at the rate of 5 ltr/m² of the surface before the sand bed or sub-grade is laid.
5. Soil treatment along external perimeter of building: Earth along the external walls of the building should be rodded at intervals of 15 cm and to a depth of 30 cm exposing the foundation wall surface. Chemical solution should be poured along the wall @ 7.5 ltr per sq. mtr of vertical surface.
6. Treatment of soil under apron along external perimeter of Building: Top surface of the earth over which the apron is to be laid shall be treated with chemical solution @ 5 ltr per sq. mtr. of the vertical surface.

Post Construction:

1. Soil treatment along external perimeter of building: Earth along the external walls of the building should be rodded at intervals of 15 cm and to a depth of 30 cm exposing the foundation wall surface. Chemical solution should be poured along the wall @ 7.5 ltr per sq. mtr. of vertical surface.
2. Treatment of soil under apron along external perimeter of Building: Top surface of the earth over which the apron is to be laid shall be treated with chemical solution @ 5 Ltr per sq. mtr. of the vertical surface.
3. Treatment of soil under floor: To prevent entry of termites from cracks, soil under floor should be treated. Drill 12 mm holes at the junction of floor and wall at 30 cm interval to reach the soil below. Squirt the chemical solution @ 1 ltr per hole and seal.
4. Treatment of voids in masonry: The movement of termites through masonry walls may be restricted by drilling holes in masonry wall at about 45° angle preferably from both sides of the plinth wall at 30 cm interval and squirt the chemical in holes till refusal and seal the holes.
5. Treatment of Upper Floors: In case of infestation in upper floors, treat ground floor of the existing building as described above.

Equipment: Hand operated knapsack sprayer or foot sprayer is recommended.

Precaution

Avoid drinking, eating or smoking during spraying. Avoid contact and inhalation. Do not spray on food stuffs and utensils. After spraying, wash hands and exposed parts of the body thoroughly.

Symptoms Of Poisoning

Mainly consists of irritability, lethargy, muscle tremors and in extreme cases convulsions may occur. Fipronil is a reversible GABA receptor inhibitor and these symptoms are reversible after termination of exposure.

First Aid

If the chemical is inhaled, get the victim into fresh air immediately. If breathing is stopped, apply artificial respiration. If swallowed, induce vomiting by tickling at the back of the throat with the finger. If the chemical has splashed into the eyes, flush the eyes with plenty of cold water. In case of skin contact, wash the skin with plenty of soap and water. Get medical attention immediately.

Caution: "Not to Be Used on Crops Other Than Specified on This Label/Leaflet".

Antidote

Treat symptomatically as specific antidote is not known.

Disposal Of Used Container

Destroy empty containers by crushing and burying in soil in a safe place away from water sources and habitats. No containers should be left outside to prevent its re-use. Used containers should be destroyed in such a manner so that there will not be water or environmental pollution.

Storage Conditions

The package containing insecticide should be stored in original containers in a separate room or almirah under lock and key depending upon the quantity of material. Keep away from reach of children, domestic animals, food stuffs, animal feed etc. Store in a cool and dry place. The premises for storage should be well lit, well ventilated and sufficient in dimensions.

Chemical Composition:

Fipronil	(Active ingredient)	2.92 % w/w
Tributyl Phosphate	(De-foaming agent)	11.68 % w/w
Ethoxylate alkyl aryl phosphate ester	(Emulsifier)	10.51 % w/w
Calcium alkyl aryl sulphonate	(Emulsifier)	01.17 % w/w
Kerosene (de-aromatised)	(Solvent)	Q.S. %
		Total: 100.000% w/w

Manufactured By:

Toshi Insecticides India
Gaushala Road, Near Cooler Factory, Geeta House, Karnal

Karnal, Karnal, Haryana

Manufacturer Premises :

Meerut Road, Village Andhera, District-Karnal, Haryana-132001

Caution: "Not to Be Used on Crops Other Than Specified on This Label/Leaflet".